Name: _____ Date: _____

कबीर की साखियाँ

प्रश्न-1 साधु से क्या पूछना चाहिए?

उत्तर _____

प्रश्न-2 घास कब कष्टप्रद बन जाती है?

उत्तर _____

प्रश्न-3 "या आपा को डारि दे, दया करै सब कोय।"
"ऐसी बानी बोलिए मन का आपा खोय।"
इन दोनों पंक्तियों में 'आपा' को छोड़ देने या खो देने की बात की गई है। 'आपा' किस अर्थ में प्रयुक्त हुआ है? क्या 'आपा' स्वार्थ के निकट का अर्थ देता है या घमंड का?

उत्तर _____

प्रश्न-4 मनुष्य के व्यवहार में ही दूसरों को विरोधी बना लेने वाले दोष होते हैं। यह भावार्थ किस दोहे से व्यक्त होता है?

उत्तर _____

_____

प्रश्न-5 आपके विचार में आपा और आत्मविश्वास में तथा आपा और उत्साह में क्या कोई अंतर हो सकता है? स्पष्ट करें।

उत्तर _____

_____

https://educationwithfun.com

कबीर की साखियाँ

प्रश्न-1 साधु से क्या पूछना चाहिए?

उत्तर साधु से ज्ञान की बातें पूछनी चाहिए।

प्रश्न-2 घास कब कष्टप्रद बन जाती है?

उत्तर घास कष्टप्रद तब बन जाती है जब घास का सूखा तिनका आँख में चला जाता है।

प्रश्न-3 "या आपा को डारि दे, दया करै सब कोय।"
"ऐसी बानी बोलिए मन का आपा खोय।"
इन दोनों पंक्तियों में 'आपा' को छोड़ देने या खो देने की बात की गई है। 'आपा' किस अर्थ में प्रयुक्त हुआ है? क्या 'आपा' स्वार्थ के निकट का अर्थ देता है या घमंड का?

उत्तर यहाँ 'आपा' अंहकार के अर्थ में प्रयुक्त हुआ है। 'आपा' घमंड का अर्थ देता है।

प्रश्न-4 मनुष्य के व्यवहार में ही दूसरों को विरोधी बना लेने वाले दोष होते हैं। यह भावार्थ किस दोहे से व्यक्त होता है?

उत्तर जग में बैरी कोइ नहीं, जो मन सीतल होय।

या आपा को डारि दे, दया करै सब कोय।।

प्रश्न-5 आपके विचार में आपा और आत्मविश्वास में तथा आपा और उत्साह में क्या कोई अंतर हो सकता है? स्पष्ट करें।

उत्तर आपा का अर्थ 'अपना अस्तित्व' है और आत्मविश्वास का अर्थ है 'स्वयं पर विश्वास'।

आपा का अर्थ 'अपना अस्तित्व' है और उत्साह का अर्थ है 'उमंग'।

https://educationwithfun.com